

3



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

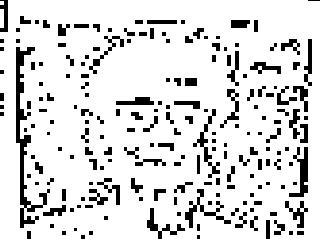
65AA 296002

श्री श्री लालू प्रसाद यादव

पता - बारा - सुर - सुर



*Handwritten signature or scribble on the left side of the page.*



*Handwritten text and a circular stamp below the portrait.*

... की प्रतिपत्ति ।।

प्रमाण

मार्कि सुखराम लीजिटर पुत्र रु-० की सुहास कृतिना  
निवासी खान-नम्बर 105 बैरी कल्या-पुर, राँच बैरीकल्यानपुर  
परगना व तहसील व जिला बान्पुर गांव का है ।

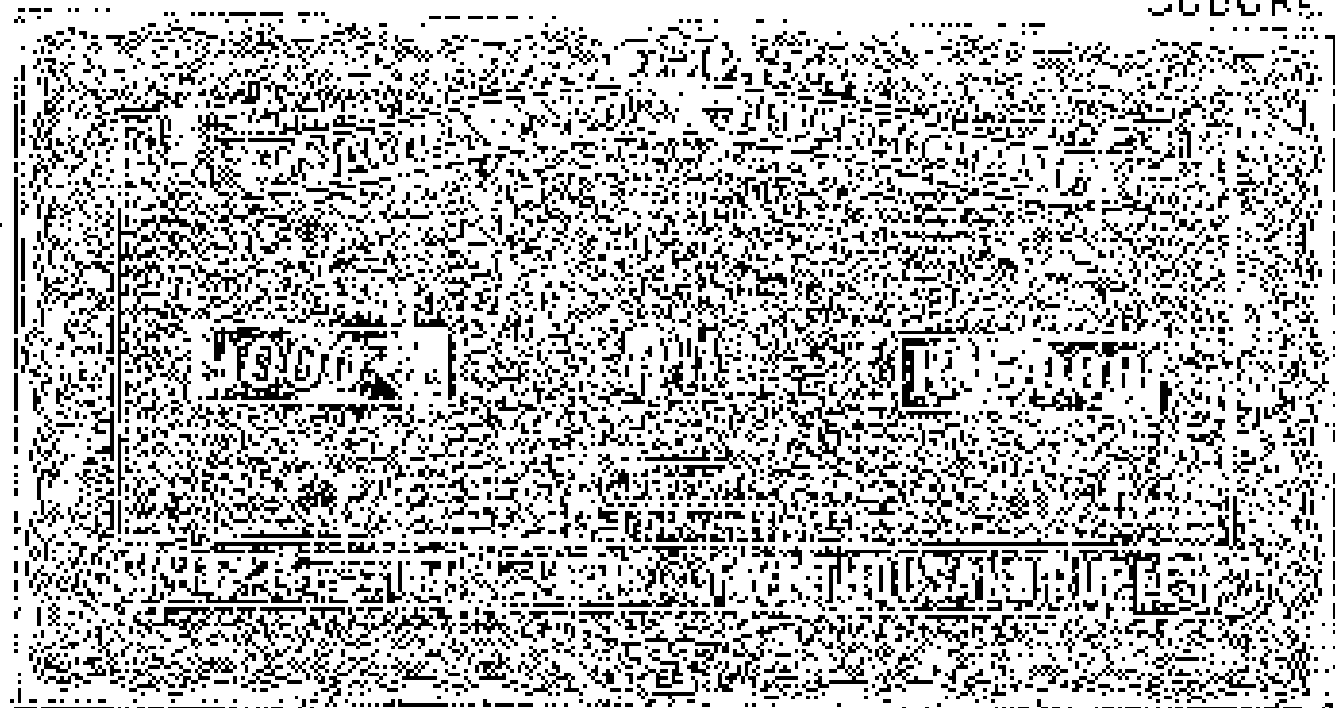
जोकि इसे मैं अमरुल्ल काकाजी होमर नम्बर

1005 अर्थात् 01/00/93 व 01/00/93 अर्थात् 01/00/93

*Handwritten text, possibly a date or reference number.*

*Handwritten signature or mark.*

*Handwritten signature or mark at the bottom of the page.*



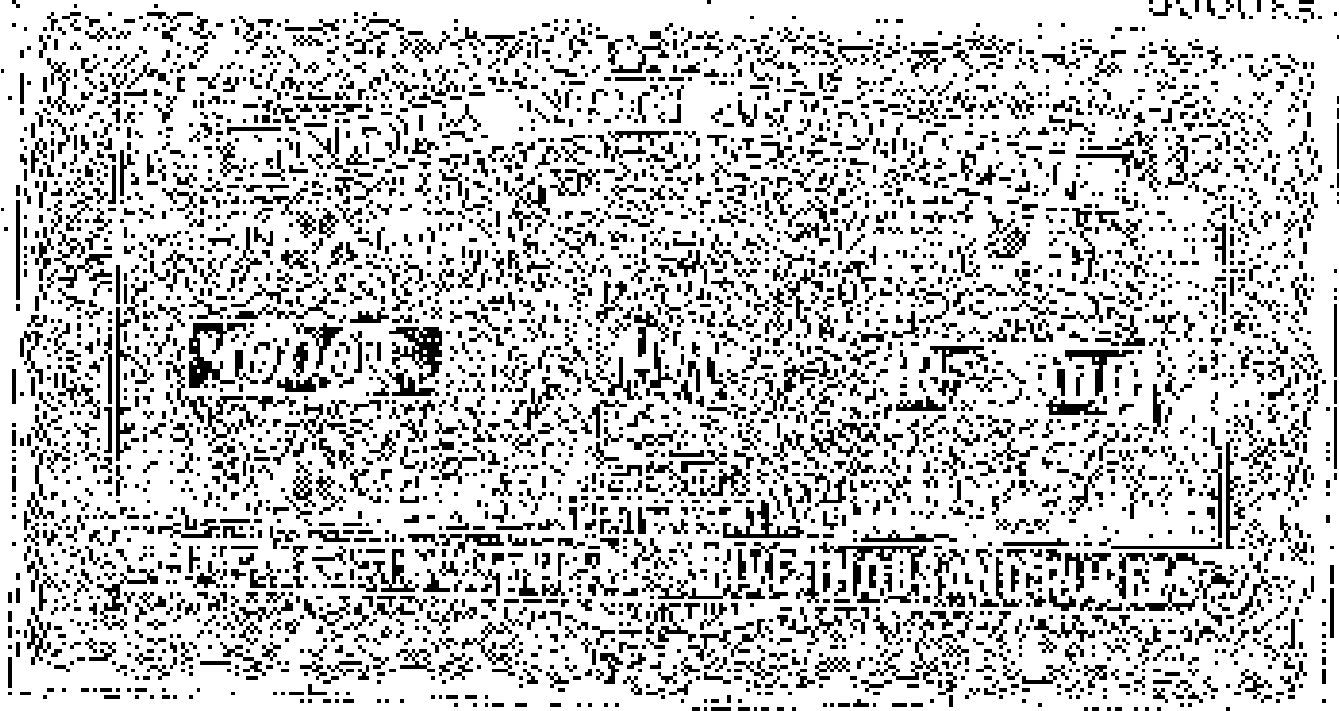
-2-

व आताजी भस्कर 1994 साला 0.233 हे 0.24 चीने तिला कुल एका  
 1.291 हे 1.72 माग तिला मोबा वैलीअवधुत नगर परता  
 व सहस्रित 7 तिला कान्गुट नगर का कान्गुट मातिका, जालीअ व  
 कलीत दूधणीप भूषणर शेरकनर हे । गल्या भी मिन तुकिर का  
 हे, तथा माग, 191 को व ल्यात सरकार हे । मिन तुकिर के हिस्से  
 ने मिन तुकिर के कान्गुट अन्य कोडे व्यक्ति कान्गुट व हिस्सेदार

मिन तुकिर

मिन तुकिर

मिन तुकिर



-४-

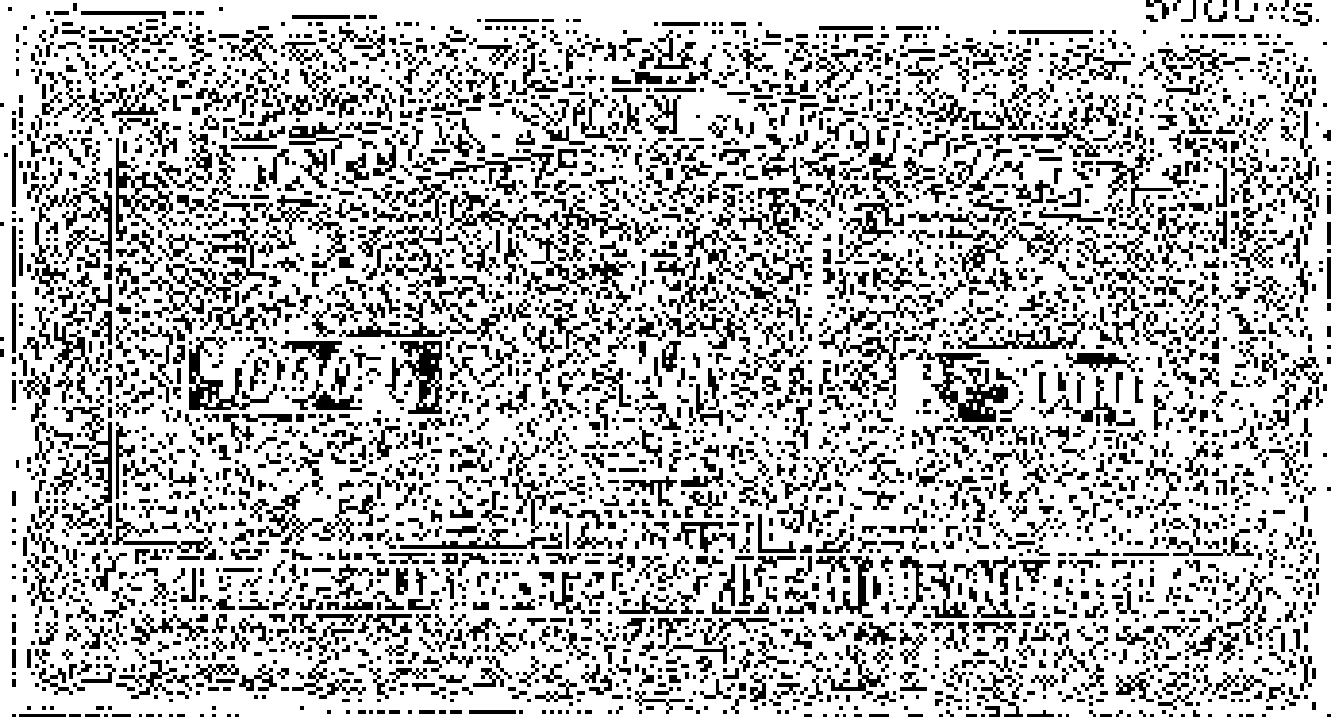
अपनी भावनाएँ नहीं हैं। मिथ्यात्व की एक आश्चर्यजनक विवशता  
 एक ऐसी अवस्था जिसमें एक ही जगत् में जीवित हो सकी पाय न  
 हो। यहाँ रक्त, मृत, विषा, सुख, दुःख, समानता आदि नहीं  
 है। तब किसी जीवित के अन्तर्गत किसी में कुछ लम्बा बसने  
 की शक्ति नहीं है। और जिसके को किसी व्यवस्था या संरचना  
 के अन्तर्गत आता है। एक आश्चर्यजनक को जान दिख रहा को आता  
 किन्तु यह सब कुछ है भी होता नहीं गया है।

1/2/51

1/2/51

1/2/51

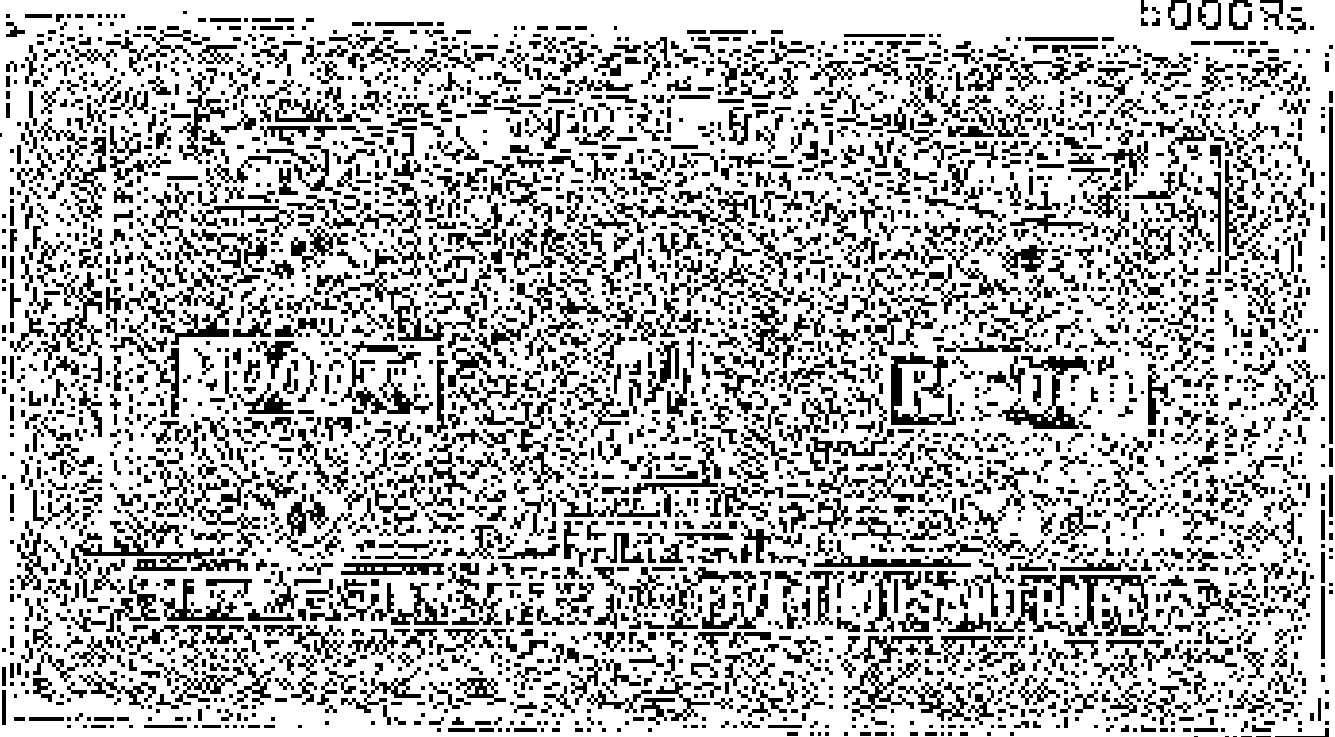




45-

को जलकलश जमरौण्ड को कहराये जयनाभा विजय जने है  
 कलश जमरौण्ड जलिकाभा, कलश है । हुकि निन कुण्ड को  
 आरहे बने आये नातेन व लख साकति व रिहल्ल के निह  
 मल्ल जयनाभा के निह जयना की कलश जयकलश जयना है ।  
 को निह जयना बेने हूँ आरानिमात जमरौण्ड विजय जने  
 है निन कुण्ड को जलश जय नदी हो जयना है । कलश  
 निन कुण्ड के कलश जयनाभा तज्जीव जय निन को बेकल

1. Introduction



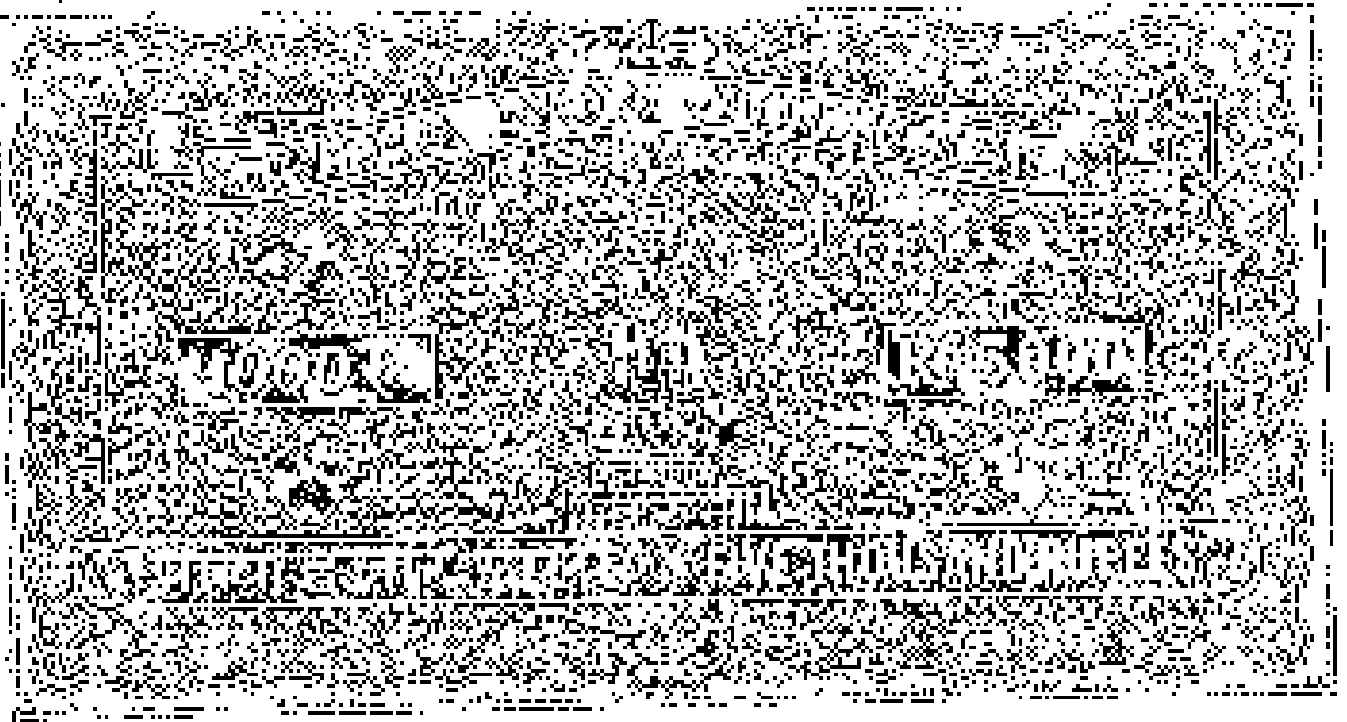
-2-

सुदृढीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 नई सुदृढीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत  
 अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत

10/1/2024

*[Handwritten signature]*



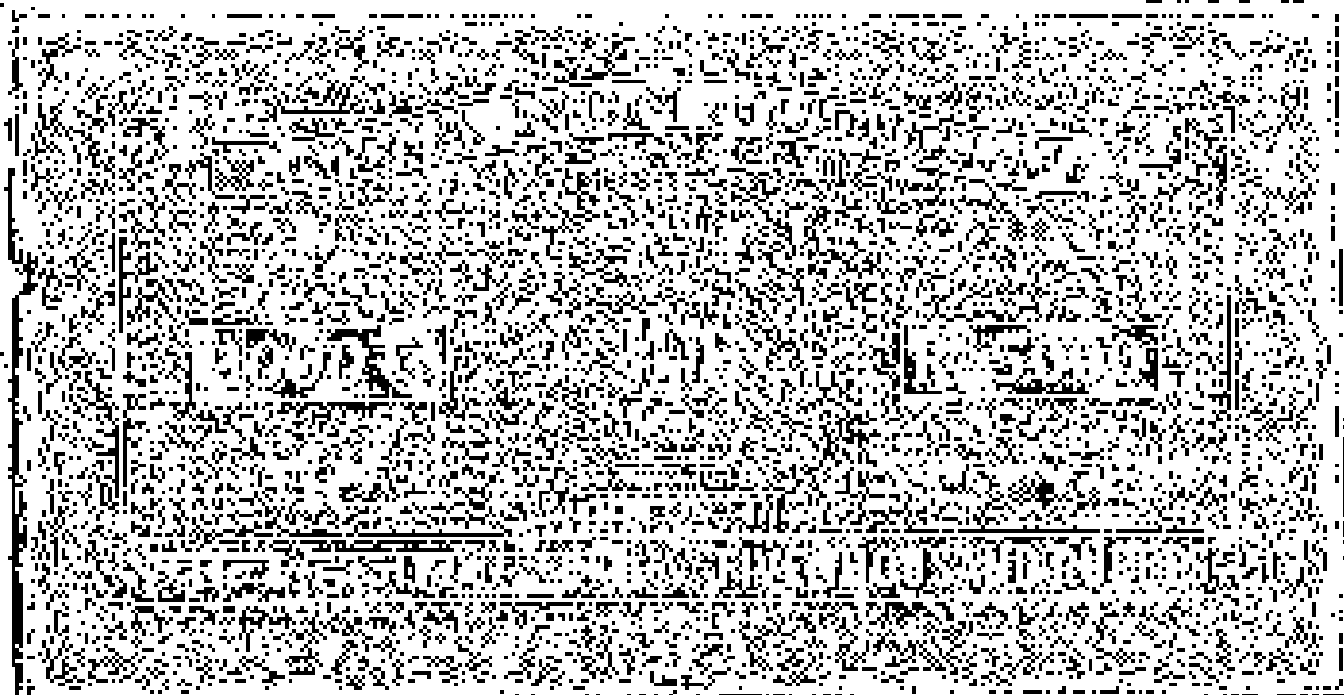


-८-

पार छार सात ही मधुर जया निवण दिनि अकर  
 पुनन के छोड़े है, वस्तु मजदूर जीआरोंय लोडिनि  
 लोडिनी हिय रीयड जेवना ७७७,७७ १९७७ ह्य गुह्य  
 लोडिनी हिय रीयड भात लोड राह्य लोडिनी बरिनि गतिव  
 श्री ह्य के नैन मूक श्री नेड के नैन निवाली मकान मन्वर-  
 नेड लोडिनी हिय, लोडिनी हिय लोडिनी के यय  
 कर्ष कर्ष लोडिनी लोडिनी लोडिनी लोडिनी लोडिनी  
 लोडिनी लोडिनी के लोडिनी लोडिनी लोडिनी लोडिनी लोडिनी

*Handwritten signature or mark.*

*Handwritten signature or mark.*



-3-

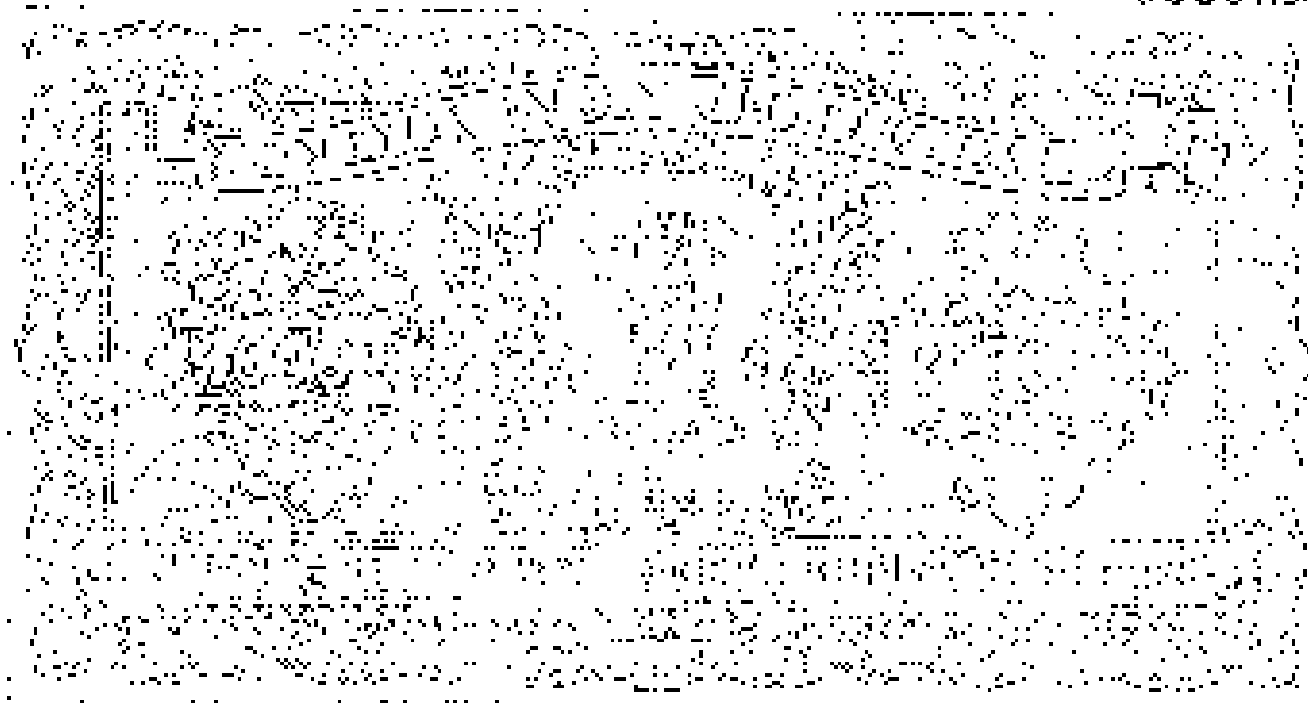
है बहुत ही दिखता है । विस्मय कर समस्त देश में भी गया  
 जगत् विभिन्न अतिशय जीवित के लोभ नहीं रह गया है ।  
 जिन सुविधा में शायद ही तारीख के सम्बन्ध में पुष्पां जगत्  
 के अन्त कल्याण व स्वतः प्राप्तिगत व बाह्य कल्याण के  
 राज कर निरन्तर रुद्धे कल्याण व स्वतः प्राप्तिगत व जगत्  
 सम्बन्ध में पुष्पां जगत् पर शायद ही तारीख के अतिशय  
 सम्पत्ति कर कल्याण जगत् जगत्, जगत् व जगत्  
 कर विस्मय जगत् ही तारीख के अतिशय सम्बन्ध में पुष्पां

1/1/19

1/1/19

1/1/19





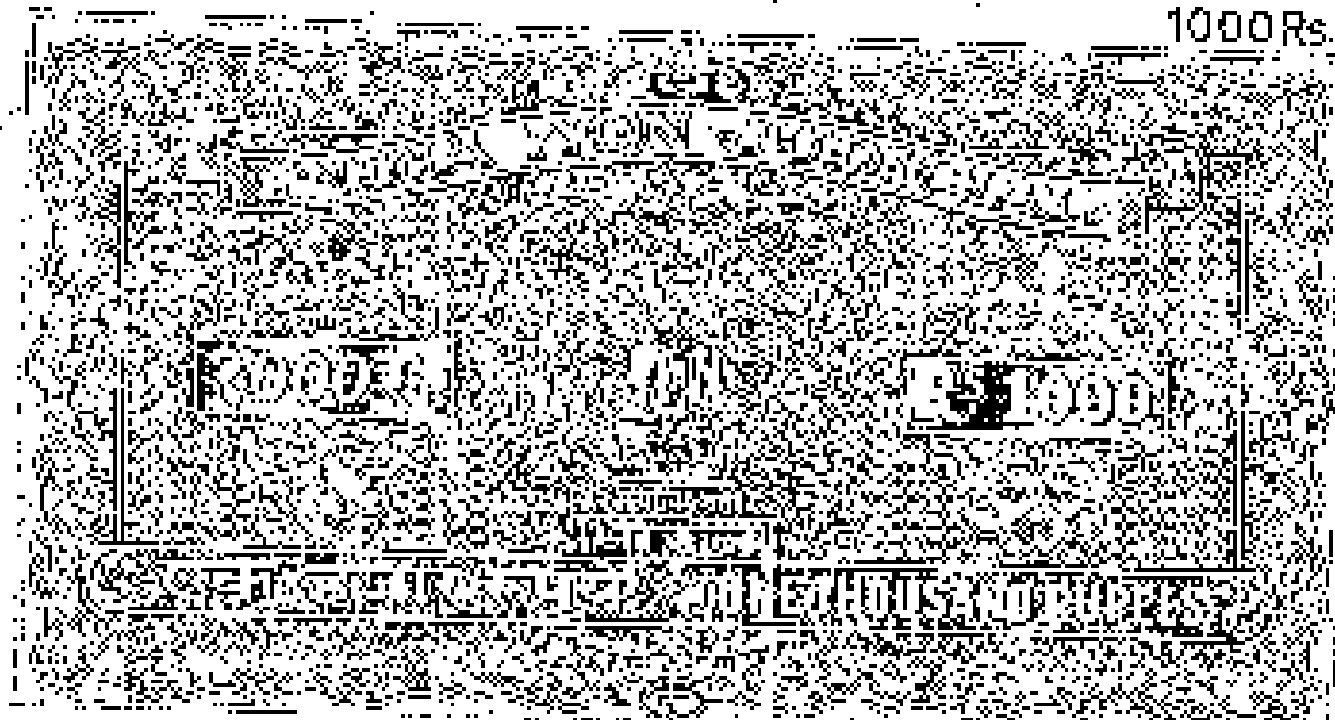
- 1 -

सरकारी में मताना आवश्यक है तथा है, तथा है  
 नाम निम्न सुन्दर शब्दावली है, निम्नी स्वामन्त्री है  
 बंधनावा हवा हवा कन्धी वाकेपी । फिर भी यदि क  
 कन्धी वही ही सुन्दर निम्नी तन्त्री व हवानी स्वामन्त्री  
 वही की भी कन्धी वही है वही वाग्य है। निम्नी  
 सुन्दर व वाग्यवा कन्धी व वही व व व व व व व व व  
 वही- व वही वही वही वही वही वही वही वही वही  
 भी वही सुन्दर व वही व व व व व व व व व व व व

1/1/1978

2

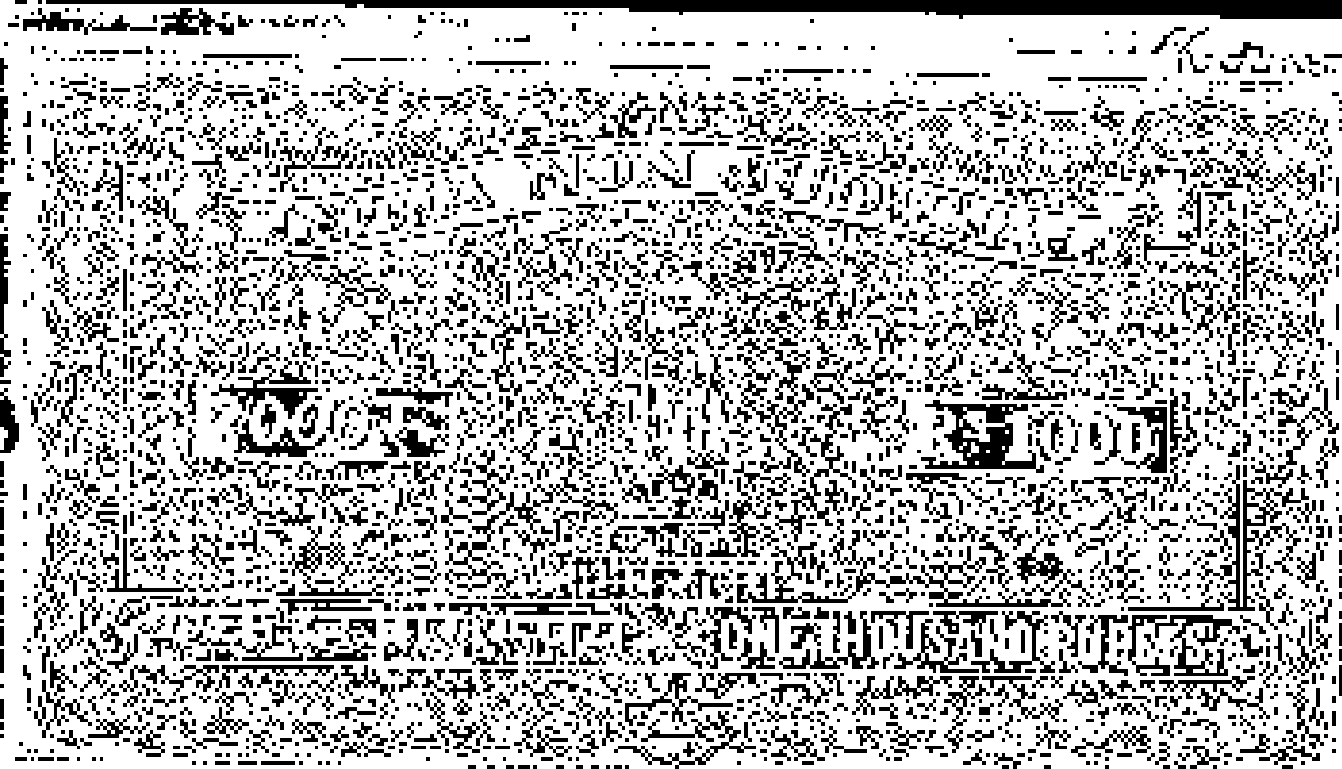




निर्दिष्ट की संख्या दी जा कि वह अन्य कुल वर तल  
 मय प्रकाश व ध्वनि मित सुक्ति की पीछर पार लक्ष शक्ति  
 नरुद्धन व पीछर मरुद्धन है मित प्रकाश के नाहे मरुद्धन वरुद्धन  
 सुक्ति के हल्ले वरुद्धन मरुद्धन वरुद्धन वरुद्धन वरुद्धन वरुद्धन  
 व मरुद्धन सुक्ति व मरुद्धन सुक्ति व मरुद्धन सुक्ति व मरुद्धन सुक्ति  
 की वरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन  
 शक्ति की मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन व मरुद्धन

14/11/20  
 14/11/20

14/11/20  
 14/11/20



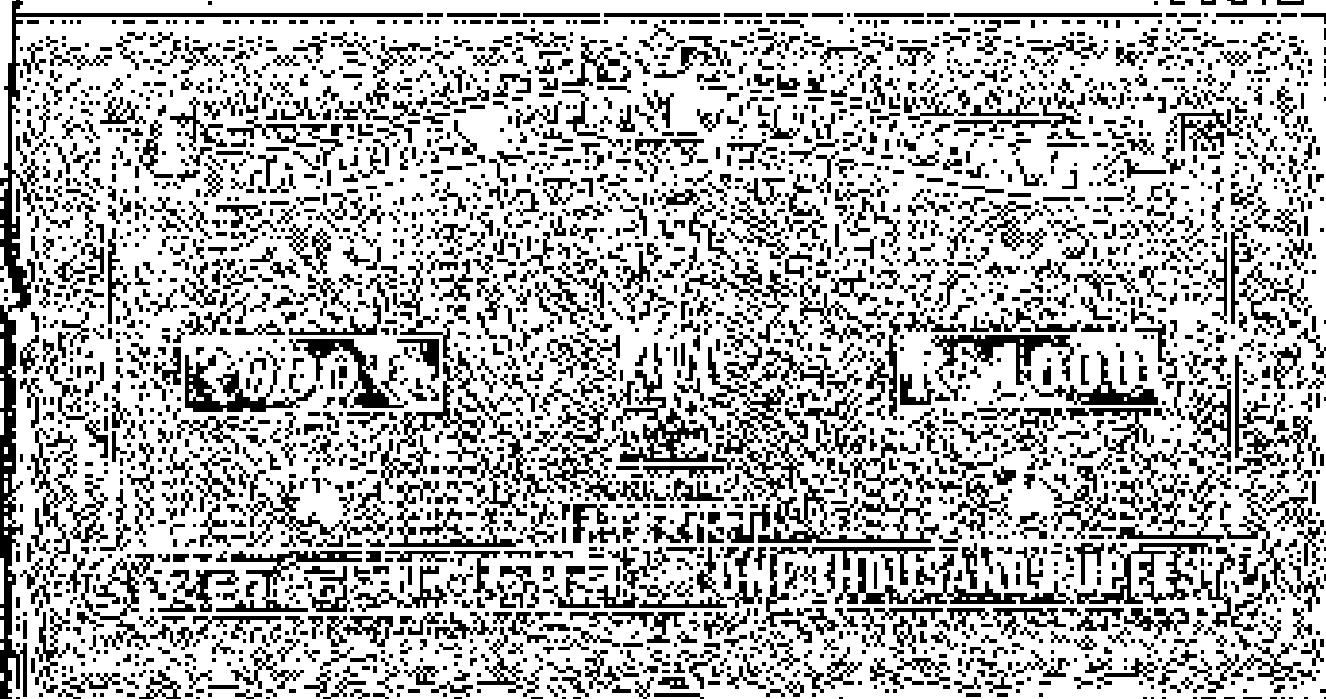
14-

आविष्कार कृतिर अरु शक्तिर व शक्तिर होय ।

विद्याया अद्वैतता रीतिर ह्यस्य विद्या एकै अत्र  
विद्याया के अस्मिन् अद्वैत विद्या व शक्तिर की ह्यस्य  
यथा र विद्या विद्या के अस्मिन् विद्या व शक्तिर होय  
मे अत्र अद्वैत विद्याया अस्मिन् अद्वैत विद्या  
अस्मिन् अस्मिन् अस्मिन् अस्मिन् अस्मिन् अस्मिन्

14/1/14

14/1/14



1/3-

सर्वोच्च न्यायालय

अदालतों में प्रविष्टी नम्बरी 1082 एक हजार आठ सौ

0.807 से 1.000 तक के बीच 1.000 से 1.200 तक 1.200 से 1.400 तक

प्रविष्टी नम्बरी 1083 एक हजार आठ सौ एक सौ 0.450 से

1.000 तक 1.000 से 1.200 तक 1.200 से 1.400 तक 1.400 से 1.600 तक

1.600 से 1.800 तक 1.800 से 2.000 तक 2.000 से 2.200 तक 2.200 से 2.400 तक

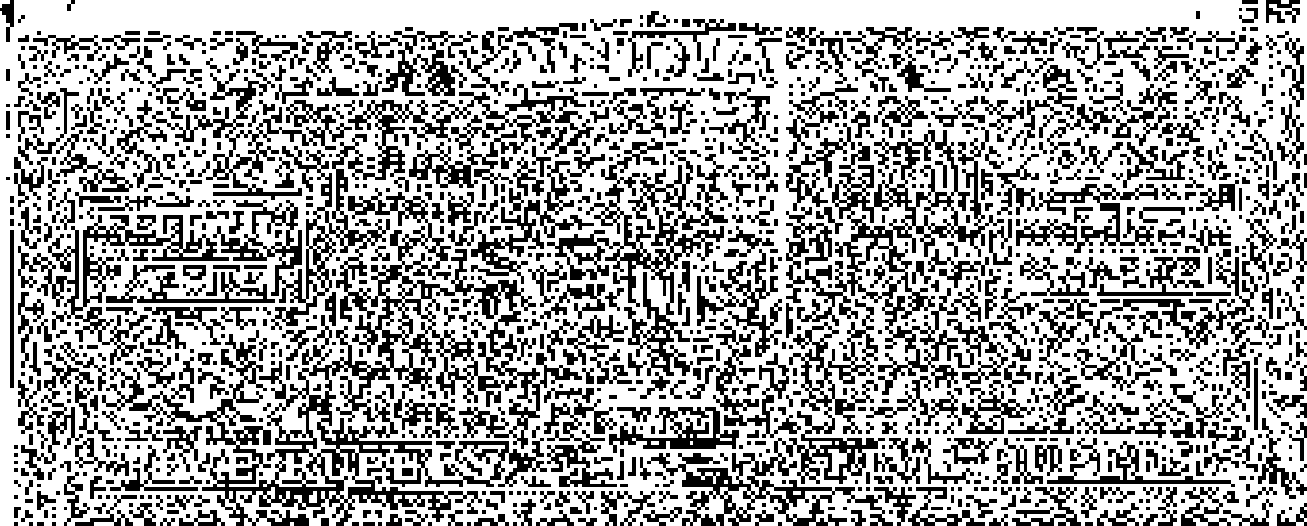
2.400 से 2.600 तक 2.600 से 2.800 तक 2.800 से 3.000 तक 3.000 से 3.200 तक

1/3-

1/3-







-16-

मुक्ति बोला है अत्यंत आशी की काम काकर  
लामतक काकर का से आकर रीति प्रमाणक है अत्यंत  
प्रमाणक प्राप्त कर लेता है । जो ईसाई 10-3-1950 ई०  
की काकर अत्यंत काकर का से आशी देता गया है ।

तारीख 31-3-1950 ई० ।

पत्र 1-1950 ई० ई० ई०

पत्र 2-1950 ई० ई०

आशी मेरे अत्यंत  
आशी मेरे अत्यंत मेरे अत्यंत  
मेरे अत्यंत गया ।

आशी अत्यंत अत्यंत  
काकर ।

10-3-1950  
31-3-1950  
OFFICE OF THE  
10-3-1950

2023-03-07 09:57:31

*[Faint handwritten notes and stamps are visible at the bottom of the page.]*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१. संस्कृत - १००  
 २. संस्कृत - १००  
 ३. संस्कृत - १००  
 ४. संस्कृत - १००  
 ५. संस्कृत - १००  
 ६. संस्कृत - १००  
 ७. संस्कृत - १००  
 ८. संस्कृत - १००  
 ९. संस्कृत - १००  
 १०. संस्कृत - १००